International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

वैश्विक महामारी के परिप्रेक्ष्य में ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था

Dr. Varchasa Saini
Assistant Professor
Department of Political Science
J.K.P.PG.College, Muzaffarnagar

सार

कोविड–19 के महामारी संकट के कारण ई–लर्निंग दुनिया भर के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों जैसे सभी शैक्षणिक संस्थानों का अनिवार्य घटक बन गया है। इस घातक स्थिति ने ऑफलाइन शिक्षण प्रक्रिया को उलट कर रख दिया है। ई–लर्निंग एक प्रभावी शिक्षण पद्धति प्रदान करता है जो छात्रों में सर्वश्रेष्ठ लाता है।

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को पूर्ण बनाना है। शिक्षा उनके भाग्य तक पहुँचने का मार्ग प्रदान करती है। शिक्षा सामाजिक उत्तरदायित्वों को विकसित करने में भी मदद करती है। शिक्षा का मुख्य आधार सीखना है। सीखना अध्ययन, अनुभव या सिखाए जाने के माध्यम से ज्ञान या कौशल प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है। दुनिया में कोई भी सनकी हादसा हो जाए तो शिक्षा पर हमेशा अपना असर छोड़ता है। और इसलिए महामारी का प्रभाव शिक्षा पर पड़ा है। दुनिया भर में इस खतरनाक वायरस के प्रकोप ने इस वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए शिक्षण संस्थानों को बंद करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस घटना ने शिक्षण पेशेवरों को इस तालाबंदी के दौरान शिक्षण के वैकल्पिक तरीकों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। और इस प्रकार यह वेब–आधारित शिक्षा या ई–लर्निंग या ऑनलाइन सीखने का मार्ग प्रशस्त करता है।

भूमिका

आज के परिदृश्य में लर्निंग ने डिजिटल दुनिया में कदम रखा है। जिसमें टीचिंग प्रोफेशनल्स और स्टूडेंट्स वर्चुअली जुड़े हुए हैं। ई–लर्निंग समझने और लागू करने में काफी सरल है। डेस्कटॉप, लैपटॉप या स्मार्टफोन और इंटरनेट का उपयोग इस शिक्षण पद्धति का एक प्रमुख घटक है। ई–लर्निंग तेजी से विकास प्रदान करता है और इस लॉकडाउन के दौरान विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है।

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के उपायों में से एक के रूप में लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग के कार्यान्वयन को लागू किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक गतिविधियां पूरी तरह से ठप हो गई हैं। विशेष रूप से शिक्षा प्रणाली जो पूरी तरह से बंद है और अकादमिक पाठ्यक्रम के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

साथ आगे बढ़ने के लिए नियमित सीखने की प्रक्रिया से इलेक्ट्रॉनिक शिक्षा में बदलाव किया जा रहा है। इसे ऑनलाइन कक्षाओं, सम्मेलनों, बैठकों आदि की बढ़ती संख्या के साथ उद्धृत किया जा सकता है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि इस संकट के दौरान दुनिया पूरी तरह से सूचना प्रौद्योगिकी पर निर्भर है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन इलेक्ट्रॉनिक सीखने की प्रक्रिया और इसक उपयोग के अद्यतन संस्करण के साथ–साथ इसके लाभों के बारे में एक अंतदृष्टि प्रदान करता है। हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के लिए, कोविड–19 के दौरान ई–लर्निंग के प्रभाव की इस विशेष स्थिति पर बहुत कम वैज्ञानिक रिपोर्टें आई हैं।

वर्तमान महामारी संकट के दौरान जब पूरा विश्व तूफान के बीच नौकायन कर रहा है, प्रौद्योगिकी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीकी विकास और इंटरनेट ने लोगों के जीवन को अत्यधिक बदल दिया है और विभिन्न क्षेत्रों में भी बहुत बड़ा बदलाव लाया है (नादिकट्टू, **2020**)। विशेष रूप से शिक्षा प्रणाली में ई–लर्निंग को लॉकडाउन के दौरान शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से जारी रखने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में पाया गया है। वेब सीखने के महत्वपूर्ण माध्यमों में से एक बन गया है जो दुनिया भर के लोगों के लिए मुफ्त या कम लागत पर आसानी से शिक्षा प्राप्त करने का द्वार खोलता है (नूर–उल–अमीन, **2013**)। ई–लर्निंग ने विशेष रूप से आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जड़ें जमा ली हैं। आधुनिक शिक्षार्थियों की आवश्यकता बिल्कुल अलग है और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ई–लर्निंग को लाभकारी पाया गया है। ई–लर्निंग के माध्यम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सिद्धांत धीरे–धीरे दुनिया में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं (मिस्को एट अल।, **2004**य सोनी, **2020**)। यह उन शिक्षार्थियों के लिए एक समाधान प्रदान कर रहा है जो वर्तमान महामारी की स्थिति के कारण शिक्षा के पारंपरिक साधना तक पहुँचने में असमर्थ हैं।

एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा प्रमुख कारकों में से एक है (बैयरे एवं अन्य, **2016**)। कोविड–19 वायरस के प्रकोप ने स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी संस्थानों को अचानक बंद कर दिया है। इस कठिन समय के बीच, शिक्षक छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। ई–लर्निंग एक शिक्षण प्रणाली को संदर्भित करता है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से आयोजित की जाती है। यह पहली बार **1999** में एक सीबीटी सिस्टम संगोष्ठी में इस्तेमाल किया गया था। इसे वर्चुअल या ऑनलाइन लर्निंग के रूप में भी वर्णित किया जाता है। यह ईमेल, दस्तावेज, प्रस्तुतियों या वेबिनार के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग करके पठन सामग्री साझा करने का

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

एक तरीका प्रदान करता है। आईटी आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है और यह वर्तमान शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी की भारी भागीदारी को दर्शाता है।

शिक्षक इस लॉकडाउन के दौरान पीपीटी, पीडीएफ या वर्ड दस्तावेज के रूप में अपने संबंधित विश्वविद्यालय के वेबपेजों पर, व्हाट्सएप पर या ई–मेल के माध्यम से अधिकतम छात्रों को अध्ययन सामग्री और व्याख्यान साझा कर सकते हैं। फेलिक्स, (**2020**) के अनुसार, वीचौट के माध्यम से, ई–मेल के माध्यम से ऑडियो–विजुअल वीडियो साझा करके, वूव, जूम, सुपरस्टार, जी–सूट क्लाउड मीटिंग आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण ऐप द्वारा व्याख्यान भी लिए गए हैं। प्रौद्योगिकियों के विकास ने शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं के लिए एक अनुकूल क्षेत्र प्रदान किया है। यह शिक्षकों को उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण को बदलने की पेशकश करता है। यह शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं को बढ़ाता है (थमराना, **2016**)। शिक्षक नवीन तरीकों से छात्रों को अपने सीखने के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। ई–लर्निंग ने शिक्षण और सीखने के पारंपरिक तरीकों में एक बड़ा बदलाव लाया है। कोविड–19 के जारी रहने के कारण सीखने के प्लेटफॉर्म और ऐप्स का उपयोग करने के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।

वैश्विक महामारी के परिप्रेक्ष्य में ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था

कोविड–19 वायरस के प्रकोप के बाद से, दुनिया भर के शिक्षण संस्थानों ने सीखने के पारंपरिक तरीकों से ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा प्रदान करने की ओर पलायन किया है। शिक्षा प्रणाली को अचानक पारंपरिक कक्षा के वातावरण से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और ऑनलाइन अनुप्रयोगों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

ई–लर्निंग आज के शिक्षार्थियों की जरूरतों को उनके अपने आराम और आवश्यकताओं पर पूरा करता है। इस प्रकार यह विभिन्न कारणों से फलदायी सिद्ध हुआ है। विभिन्न प्लेटफार्मों की सदस्यता खरीदकर या पाठ्यक्रमों तक पहुंचने के लिए लॉग इन करके किसी भी समय शिक्षार्थी की अपनी सुविधा पर इसका लाभ उठाया जा सकता है।

यह शिक्षार्थियों की बेहतर समझ के लिए स्पष्ट, आसान, क्रमिक निर्देश प्रदान करता है। इसे अक्सर स्व–अध्ययन के लिए सबसे उपयुक्त तरीका माना जाता है। यह शिक्षार्थियो के लिए सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जिसमें लगभग सभी विषयों और शंकाओं को शामिल किया गया है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

महामारी संकट के कारण मौजूदा शिक्षा प्रणाली से ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली में एक विशाल, विघटनकारी बदलाव आया है। एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए अच्छी अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए विस्तृत पाठ योजना की आवश्यकता होती है। ऑनलाइन शिक्षा की कुछ चुनौतियों में शामिल हैं, शिक्षकों में ऑनलाइन शिक्षण कौशल की कमी, पाठ योजनाओं की ऑनलाइन तैयारी क्योंकि यह बहुत समय लेने वाली है, तकनीकी टीमों से उचित समर्थन की कमी, और ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफार्मों में ट्रैफिक अधिभार शामिल है। न केवल शिक्षकों बल्कि छात्रों को भी सीखने के उचित दृष्टिकोण की कमी, सीखने के लिए उपयुक्त सामग्री की कमी, कक्षा में सीखने में अधिक भागीदारी, आत्म–अनुशासन की अक्षमता और कुछ घरों में अपर्याप्त सीखने के माहौल के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वयं चुना एकांत।

इस कोविड–19 संकट के दौरान ई–लर्निंग विशेष रूप से फायदेमंद साबित हुई है। अधिक छात्रों ने इस जारी महामारी के दौरान शिक्षा के लिए एड–टेक और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का विकल्प चुना है। वेदांतु, अनएकेडमी और बायजू जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को घरों से आराम से सीखने में मदद करने के लिए लाइव कक्षाओं तक मुफ्त पहुंच की पेशकश कर रहे हैं और इन शैक्षिक ऐप का उपयोग करने के लिए छात्रों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के शिक्षकों ने भी ज्यादा लाइव क्लास लेना शुरू कर दिया है।

बड़े पैमाने पर ऑनलाइन शिक्षा की उपलब्धि के लिए, ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफार्मों में ट्रैफिक अधिभार जैसी तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए अग्रिम आकस्मिक योजनाएँ तैयार करना बहुत आवश्यक है। शिक्षकों ने छात्रों का ध्यान केंद्रित करने और उनकी बेहतर समझ सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण सामग्री को कई छोटे मॉड्यूल में विभाजित किया है। संकाय सदस्यों ने उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने भाषण की गति को उचित रूप से कम कर दिया है, उन्हें व्याख्यान से मुख्य बिंदुओं को नोट करने और ऑडियो–विजुअल व्याख्यान में बोर्ड से आवश्यक जानकारी लिखने की अनुमति दी है।

अनुभवहीन संकाय सदस्यों ने प्रत्येक कक्षा के उद्देश्यों और आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन शिक्षण सहायकों से परामर्श किया जो उनके द्वारा लिया जाना है। शिक्षकों ने रचनात्मक और कुशल असाइनमेंट प्रदान करके अपनी विभिन्न शिक्षण तकनीकों को संशोधित किया है जो छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान सीखने की आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। फैकल्टी ने ऑनलाइन टीचिंग मेथड्स और ऑफलाइन सेल्फ स्टडी को शामिल किया। प्रोफेसर छात्रों को उनके दृष्टिकोण को

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्रोत्साहित करने के लिए चर्चा में शामिल कर सकते हैं और उनके असाइनमेंट पर फीडबैक प्रदान कर सकते हैं।

शिक्षण की इस विधा के माध्यम से छात्र सतही, अस्पष्ट और खंडित ज्ञान नहीं सीखेंगे। इसके बजाय छात्र विविध चर्चाओं के माध्यम से पूरी तरह से सीखने का अनुभव करेंगे। अपर्याप्त पूर्व–कक्षा अध्ययन तैयारी, कक्षा चर्चाओं में सीमित भागीदारी, और अपर्याप्त चर्चा गहराई पारंपरिक कक्षा शिक्षण में आम घटनाएं हैं, इसी तरह, उन मुद्दों को ऑनलाइन शिक्षण में अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

शिक्षण सामग्री की कठिनाई, लंबाई और गुणवत्ता को छात्र की ऑनलाइन सीखने की व्यवहारिक विशेषताओं और अकादमिक तत्परता से मेल खाना चाहिए। शिक्षकों को अपने छात्रों के साथ उन्हें प्रेरित करने के लिए समय पर प्रतिक्रिया साझा करनी चाहिए शिक्षकों को कक्षा के भीतर और बाद में ईमेल मार्गदर्शन के साथ–साथ ऑनलाइन ऑडियो–विजुअल ट्यूशन प्रदान करना चाहिए। ऑनलाइन कक्षाओं में छात्र की गहन भागीदारी में सुधार के लिए हमेशा कुछ उपायों को अपनाने की सलाह दी जाती है।

इससे छात्रों की उच्च–गुणवत्ता वाली भागीदारी उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखा जाना चाहिए और शिक्षकों द्वारा कोविड–**19** संकट के दौरान उनके मानसिक तनाव और चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न उपयुक्त उपाय किए जाने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र अपने ऑनलाइन शिक्षण सत्रों में नियमित, प्रभावी और सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

शिक्षकों को अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भारी बोझ का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें इस कठिन समय के दौरान शिक्षा प्रणाली का बोझ सहना पड़ रहा है। उन्हें प्रशासनिक और मंत्रिस्तरीय निर्देशों का पालन करना होगा। अधिकांश शिक्षकों के लिए ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। संसाधनों की कमी भी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के लिए एक बड़ी बाधा बन रही है। कभी–कभी अस्वास्थ्यकर वातावरण और तकनीकी मुद्दे शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया को बंद करने के कारण होते हैं। शिक्षार्थियों के पास कभी–कभी ऑनलाइन माध्यम से सीखने का उचित साधन नहीं होता है। जैसा कि अधिकांश शिक्षार्थी और शिक्षक शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं के पारंपरिक तरीके से अभ्यस्त हैं, ई–लर्निंग पर परिणाम तुलनात्मक रूप से कम प्राप्त होता है।

महामारी ने निर्विवाद रूप से स्पष्ट कर दिया था कि दुनिया भर के देशों को शिक्षकों के उचित प्रशिक्षण के लिए धन आवंटित करने और नवीन शिक्षण डोमेन बनाने की आवश्यकता है जो शिक्षार्थियों को सबसे आसान तरीके से शिक्षा प्रदान कर सके। संकट की यह स्थिति शिक्षार्थियों की जरूरतों पर विचार करने

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

की अत्यावश्यकता को दर्शाती है। सभी आपातकालीन पाठ्यक्रम में शिक्षा सामग्री और शैक्षणिक प्रावधान शामिल किए जाने चाहिए जो वर्तमान महामारी संकट में शिक्षकों और शिक्षार्थियों को सुरक्षित और मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकें।

शिक्षा मंत्रियों या सरकार को वंचित बच्चों के लिए धन उपलब्ध कराना चाहिए और वंचित शिक्षार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण रूप से राष्ट्रीय प्राधिकरणों को अपने–अपने देशों में छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए भलाई के महत्वपूर्ण महत्व को बताने के लिए कुशल उपाय प्रदान करने चाहिए।

कोई सोच सकता है कि ऑनलाइन शिक्षण और सामग्री वितरण एक त्वरित धुरी होगी क्योंकि स्कूल संक्रमण के वक्र को समतल करने के प्रयास में छात्रों को घर भेजते हैं। वास्तव में, महामारी प्रौद्योगिकियों तक असमान पहुंच पर प्रकाश डालती है और एक ऑनलाइन शिक्षार्थी के रूप मे या एक प्रशिक्षक के रूप में सफल होने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं दूर से सामग्री वितरित करने के लिए अचानक जिम्मेदार होती हैं।

उन छात्रों के लिए जो आवास असुरक्षित, खाद्य असुरक्षित, या दोनों हो सकते हैं, ब्ट्प्क्–**19** से आर्थिक गिरावट के कारण प्रत्येक दिन बस नेविगेट करना कठिन हो सकता है। कुछ कॉलेज और विश्वविद्यालय उन छात्रों से पूछते हैं जिन्हें फॉर्म तक पहुंचने या भरने में कठिनाई हो सकती है, लेकिन निम्न–आय पृष्ठभूमि वाले छात्र और वंचित समूहों के छात्र अक्सर मदद मांगने में अधिक हिचकिचाते हैं क्योंकि उन्हें मदद की आवश्यकता के लिए नकारात्मक रूप से देखे जाने की चिंता होती है। उन प्रकार की स्थितियों में।

हमें यह समझने की जरूरत है कि यह न केवल शिक्षा के बारे में है बल्कि उन लोगों के बारे में भी है जो दिन–प्रतिदिन संकट में जी रहे हैं। इसका मतलब है कि छात्र हमेशा की तरह ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे क्योंकि वे कक्षा की सेटिंग में नहीं हैं। वे घर की सभी विकर्षणों से सुरक्षित नहीं हैं। और वे विकर्षण अब अन्य कठिनाइयों जैसे पूरे परिवार के घर पर होने के कारण कई गुना बढ़ गए हैं। हो सकता है अन्य लोग घर से काम करने की कोशिश कर रहे हों और उन्हें अपने काम के लिए इंटरनेट की आवश्यकता हो। कई परिवार आर्थिक तबाही का सामना कर रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि उनका भोजन कहां से आ रहा है या उनके सिर पर छत है या नहीं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

ई–लर्निंग आगामी प्रवृत्ति प्रतीत होती है। यह व्यापक रूप से फैलता रहा है। सीखने की ऑनलाइन पद्धति सभी के लिए सबसे उपयुक्त है। उनकी उपलब्धता और आराम के आधार पर, बहुत से लोग सुविधाजनक समय पर सीखना चुनते हैं। यह शिक्षार्थी को जब चाहे अद्यतन सामग्री तक पहुँचने में सक्षम बनाता है। लाभ के व्यापक सेट के कारण, यह छात्रों को देता है। अध्ययन के निष्कर्ष ई–लर्निंग के प्रभाव, ई–लर्निंग संसाधनों का उपयोग करने में छात्रों की रुचि और उनके प्रदर्शन को दर्शाते हैं। अंत में, इस अध्ययन से पता चला कि ई–लर्निंग दुनिया भर के छात्रों के बीच विशेष रूप से कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन अवधि में काफी लोकप्रिय हो गया है।

महामारी की स्थिति तकनीक–प्रेमी और अत्यधिक कुशल शिक्षकों की मांग करती है। इस प्रकार, शिक्षकों को अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाना चाहिए जो तकनीकी उपकरणों, ई–लर्निंग टूल, शैक्षिक ऐप और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे टीवी स्कूल, ऑनलाइन पोर्टल, गूगल मीट, स्लैक, जूम, एडू–पेज आदि के अधिकतम उपयोग के लिए आवश्यक है। छात्रों को विभिन्न शैक्षिक ऐप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और ई–लर्निंग की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करने के लिए शिक्षकों द्वारा आसान, प्रभावी और रोचक अध्ययन सामग्री प्रदान की जानी चाहिए। छात्रों और शिक्षकों के लिए विभिन्न ऑनलाइन–शिक्षण प्रकारों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। वे ज्ञान–आधारित प्रशिक्षण, हाइब्रिड प्रशिक्षण, तुल्यकालिक प्रशिक्षण और अतुल्यकालिक प्रशिक्षण जैसे विभिन्न शिक्षण विधियों का उपयोग करने के लिए उपयुक्त ऑनलाइन–प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

ई–लर्निंग की गुणवत्ता में काफी सुधार की जरूरत है। कोविड–19 के अचानक प्रकोप के कारण ई–लर्निंग या ऑनलाइन शिक्षण–शिक्षण प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त समय था क्योंकि इस दौरान किसी भो कीमत पर और हर संभव प्रारूप में शिक्षा प्रक्रिया को बचाने और जारी रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। वैश्विक संकट।

हालांकि ई–लर्निंग से संबंधित कुछ चुनौतियाँ हैं, यह वास्तव में दुनिया भर के शिक्षार्थियों और शिक्षकों के लिए एक लाभ के रूप में उभरा है। वैश्विक संकट ने विशेष रूप से आज की आधुनिक दुनिया में ई–लर्निंग के अत्यधिक महत्व को प्रकट किया है। ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम के बिना वायरस के प्रकोप के बाद से शिक्षा अचानक रुक जाती।

तकनीकी कठिनाइयों, विकास की उच्च लागत और परियोजनाओं के कार्यान्वयन, उनके उच्च जोखिम आदि को अक्सर दूरस्थ शिक्षा के विकास के प्रतिरोध के औपचारिक कारणों के रूप में उद्धृत किया जाता था। हालाँकि, ये आपत्तियाँ दूरस्थ शिक्षा के विकास से जुड़ी शिक्षा प्रणाली में आमूल–चूल

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

परिवर्तन के प्रतिरोध पर आधारित हैं। दूर शिक्षा के लिए शैक्षणिक समुदाय और समाज के प्रतिरोध को इस तथ्य से समझाया गया है कि यह विश्वविद्यालयों में शिक्षण के स्थापित अभ्यास के साथ संघर्ष करता है, जो बड़े समूहों में पूर्णकालिक अध्ययन की अपेक्षा करता है।

निष्कर्ष

2020 में ऑनलाइन शिक्षण के लिए परिवर्तन संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के लिए एक वास्तविक परीक्षा बन गया है। थोड़े समय में, शिक्षकों को विश्वविद्यालय की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि घर से दूर तकनीकी साधनों का उपयोग करके नई कामकाजी परिस्थितियों के अनुकूल होना पड़ा, जिससे उनकी सामान्य जीवन शैली और दिनचर्या बाधित हो गई और तनाव पैदा हो गया। छात्रों के लिए, दूरस्थ प्रारूप में सीखने की कठिनाइयाँ काफी हद तक तकनीकी समस्याओं से नहीं, बल्कि शिक्षकों और सहपाठियों के साथ पारस्परिक संचार की संभावना की कमी और उनके स्थान पर काम के माहौल की कमी से जुड़ी थीं। प्रशिक्षण का यह रूप, इसके लचीलेपन के कारण , एक विश्वविद्यालय में काम और अध्ययन को सफलतापूर्वक संयोजित करना संभव बनाता है , जो कामकाजी छात्रों, विशेष रूप से वरिष्ठ छात्रों के लिए एक निस्संदेह लाभ था।

दूरस्थ शिक्षा के विकास और सक्रिय उपयोग के ढांचे में होने वाली प्रक्रियाओं के लिए नई पीढ़ी के छात्रों को पढ़ाने के लिए गहरी वैज्ञानिक समझ और शिक्षाशास्त्र और शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में एक पद्धतिगत आधार के निर्माण की आवश्यकता होती है। इसी समय, परिवर्तन न केवल शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र को प्रभावित करते हैं, क्योंकि परिवर्तन केवल शैक्षिक प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि मानव ज्ञान की संपूर्ण प्रणाली के संगठन और मानव पूंजी प्रबंधन के रूपों तक फैले हुए हैं।

संदर्भ

- नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, **84] 382** (**2020**)
- राष्ट्रीय हित प्राथमिकताएं और सुरक्षा, **15] 4] 772** (**2021**)
- ईपी पेचेर्स्काया, एलवी एवेरीना, एलजी करनटोवा, एसए कोजेवनिकोवा, द यूरोपियन प्रोसीडिंग्स ऑफ सोशल एंड बिहेवियरल साइंसेज ईपीएसबीएस, **365** (**2020**)
- राख। कमलेतदीनोव, ए.ए. केंसोफोंटोव, आधुनिक दुनिया में प्रबंधन विज्ञान। वैज्ञानिक सम्मेलन रिपोर्ट का संग्रह, **279** (**2020**)
- यू। फुकोलोवा, हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू, **96** (**2021**)